



- प्रश्न 01.** अजी की खपत की कम करने के उपाय लिखिए।
उत्तर. 1. नवीनकरणीय अजी छोत का उपयोग आधिकारिक से हाधिक बढ़ावा दें।
 2. लकड़ी अथवा कोयले के व्यापार पर वायोगेस का उपयोग करें।
 3. विद्युत उपकरणों का अनावश्यक रूप से नहीं जालना चाहिए।
 4. ताहनों में सी.एन.जी. का उपयोग करना चाहिए।
 5. २५ लाइट पर हींजन वेंद और देना चाहिए।

- प्रश्न 02.** अजी छोत के रूप में जीवाश्य दृष्टिकोण से ज्ञान की तुलना कीजिए।

उत्तर.	जीवाश्य दृष्टिकोण	सूची
01.	यह परंपरागत अजी छोत है।	यह भी परंपरागत अजी छोत है।
02.	इसके भास्तर सीमित होते हैं।	इसके भास्तर लाभी समय तक बढ़ावा देना।
03.	इसके उपयोग से प्रदूषण कम होता है।	इसके उपयोग से प्रदूषण नहीं कम होता है।
04.	यह मौजूद होता है।	यह सहज होता है।
05.	इसका निशांकरण कठिन होता है।	यह आसानी से उपलब्ध होता है।

- प्रश्न 03.** सोलर पुल्प के उपयोग से ज्ञान और विकास लिखिए।

उत्तर.	• लाभ •
1.	इसके उपयोग से अनावश्यक अजी छोत की सरल होती है।
2.	यह सहज होता है।
3.	इसके उपयोग से प्रदूषण नहीं कम होता है।
4.	इसके कारण सकल जगत् समय में कई गोपनीय बदलाव होते जा सकते हैं।
5.	इसके कारण ज्ञान सार्विक होता है।
6.	इसके उपयोग के बाद कोई संपर्क रोक नहीं लगता।

• दानियाँ •

1. इसके उपयोग से खाना पकाने में सहायता प्रदान की जाती है।
2. व्यापार वाले वर उपयोग का लाभ लेने के लिए इसका बनाया जाता है।
3. इसका उपयोग राशि में बढ़ी जब सकते हैं।
4. इसके लिए राशि अल्पतम बढ़ाव दी जाती है।
5. इसका उपयोग के लिए गति जलनामुख बनाने के लिए होता है।
6. जाड़े रब वरसात के दिनों में इससे खाना पकाने में बहुत सहायता प्रदान की जाती है।

प्रश्न 04. जूलापीय और ज्वाला है।

उत्तर. यहाँ के लाये से उत्पन्न लाये को जूलापीय कर्जी कहते हैं। यहाँ के अंदर गैरिफ्टों से लाये के विवरणों के लिए इसके लिए विवरणीय चर्चानी जूल द्वेषी में लक्षित हो जाती है। अब यह यूनिवर्सिटी जूल इन चर्चानी के लिए में आता है तो यहाँ उत्पन्न लाये हैं जूली लाये से प्राप्त कर्जी जूलापीय कीजी यहाँ कहते हैं।

प्रश्न 05. उत्पन्न दृष्टि की जहते हैं।

उत्तर. 1. इधान का मलोरीन मान कार्डिय दोता चाहिए। 2. यहाँ जूलाये लाये होता चाहिए। 3. दृष्टि के प्रश्नात दृष्टि की उत्पन्न नहीं जूलता है। 4. दृष्टि के प्रश्नात होस अवशेष नहीं छोड़ता है। 5. यह लैटा हो रखरखाव आता है।



- प्रश्न 06. जीवाशमी ईंधन को क्या दानियों हैं।
- उत्तर. 1. जीवाशमी ईंधन जलने से वायु प्रदूषण दोता है।
2. जीवाशमी ईंधनों के अंतर्साल आंतरिक रक्षा के कारण हैं।
3. जी मनुष्य के लिए दानियाँ हैं।
जीवाशमी ईंधन जल स्वं कदा संसाधनों के प्रभावित करते हैं और आंतरिक CO_2 जैसी गैसों के कारण ग्रीन हाइट प्रभाव दोता है।

- प्रश्न 08. ऊर्जा का उत्तर सोन किसे कहते हैं।
अध्ययन

ऊर्जा के आवश्यक सोन में क्या गुण होते हैं।

- उत्तर. 1. दहन के बाद एवं उच्च तापमान से माहिल ऊर्जा होती है।
2. सौ असानी से खात दोने बाल दोता होता चाहिए।
3. सौ सरता दोना चाहिए।
4. इसके प्रयोग के लिए नहीं पुँचता चाहिए।

प्रश्न 09. इन विभिन्न विकल्पों पर विवार कीजिए जो शोजन
कानून के लिए इंधन का वयन छुट्टे ताम्र हमारे पास
होते हैं।

- उपक्र. 1. सरकार ने आवानी से प्राप्त होने वाला हो।
2. इंधन की उत्तरी ओर का व्योरीन मान आदिक हो।
3. यह समय - समय पर उपलब्ध होना चाहिए।

प्रश्न 10. महासागरों से प्राप्त होने वाली ऊर्जाओं की ज्ञा सीमाएँ
उपक्र. 1. ज्वार-भाटा की ऊर्जा का उपयोग करने के लिए
वांछ जलते गोद्य गृहि सर्विषिक सीमित हो।
2. तरंग ऊर्जा भी केवल उच्ची स्थानों पर उपयोग की जा
सकती है जहाँ तरंगों पर्याप्त सामिन उपलब्ध हो।
3. महासागरीय लापीय ऊर्जा के दोषन की लक्षणीय रूप
की जिन हैं।

प्रश्न 11. रोलेर इंधन के रूप में हाफ्ट्रोजन का प्रयोग किया जा
रहा है, जो आप इसे सी.एन.जी. की लक्षना में आदिक
स्वरूप इंधन मानते हैं। यहाँ अधिकारी ज्ञानों नहीं।
उपक्र. हाफ्ट्रोजन, सी.एन.जी. से स्वरूप इंधन है जिसकी सूची
दृष्टि क्षिया में CO_2 को उत्पन्न नहीं छुट्टी आए नहीं
इसका अपूर्व दृष्टि होता है, इसके जलने से केवल जल
उत्पन्न होता है।
सी.एन.जी. के जलने में CO_2 उत्पन्न होती है जो कि
हीन दृष्टि सुखारी गैस है और पर्यावरण के
लिए दानिखारण है।

-परिभाषा -

सोर लेन सूख देसी कुमिल है जो सोर ऊजी की विद्युत ऊजी में रूपान्तरित करती है एवं जब विद्युत आधिक संस्थाएँ में सेबों की संयोजित जरते हैं तो इसे सोर वेनल कहते हैं।

-सिलानि -

जब किसी उष्टुक्यालक की सतह पर सूख पूर्ण के होना जाता है तो इसकी सतह से फलोंको न उत्पन्न होते हैं।

-स्वाना -

इसकी उत्पन्नते के लिए सिलिकॉन का उपयोग किया जाता है। अनेक सेलोंओं छोड़ व्यवस्थित करने में रखकर सोर वेनल निर्मित करते हैं।

उपयोग (लाइ)

1. गृह जलाने में 2. डिक्टेपो, टीवी, बैंकाने में 3. अलर्ट इंजिनियरिंग
4. रेडियो, टीवी, बैंकाने में 5. स्ट्रीट लाइट वर्क में

प्रश्न 17. जौर माला तथा ऊजी शोर के रूप में जल विद्युत की उत्पन्नता कीजिए।

उत्तर. जौर माला

01. जौर माला नवीकरणीय एवं परंपरागत ऊजी शोर है।

02. जौर माला में रासायनिक ऊजी निर्णित होती है।

03. जौर माला के उपयोग से १००/१००० एक्सिल घोटा है।

04. जौरमाला का परिस्थितकीय संसुन्दरता उत्पन्न नहीं करता है।

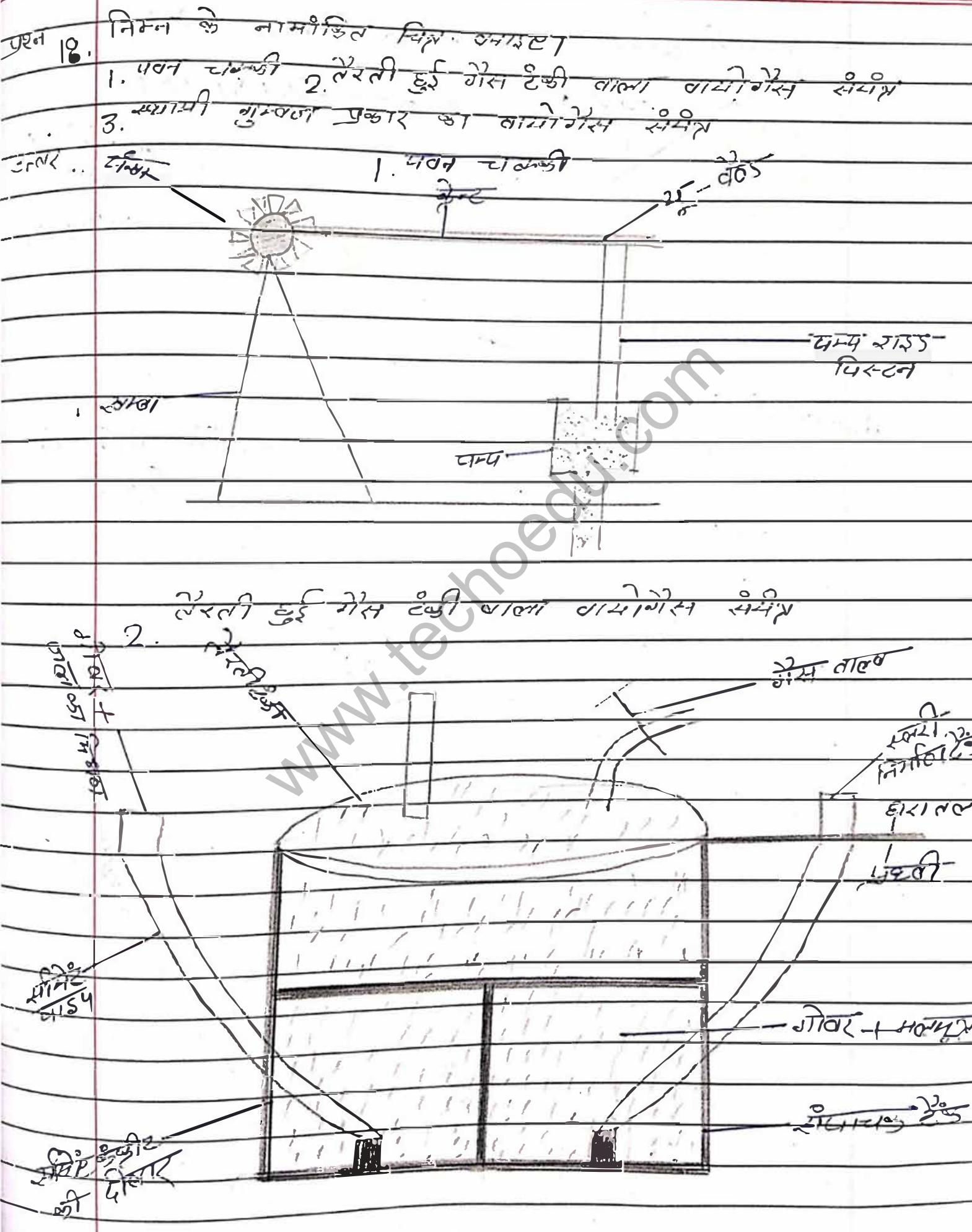
जल विद्युत

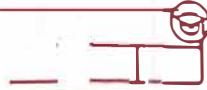
जल विद्युत भी नवीकरणीय एवं परंपरागत ऊजी शोर है।

वहाँ जल में उपस्थित गार्डिंग्ज को विद्युत ऊजी में बदला जाता है।

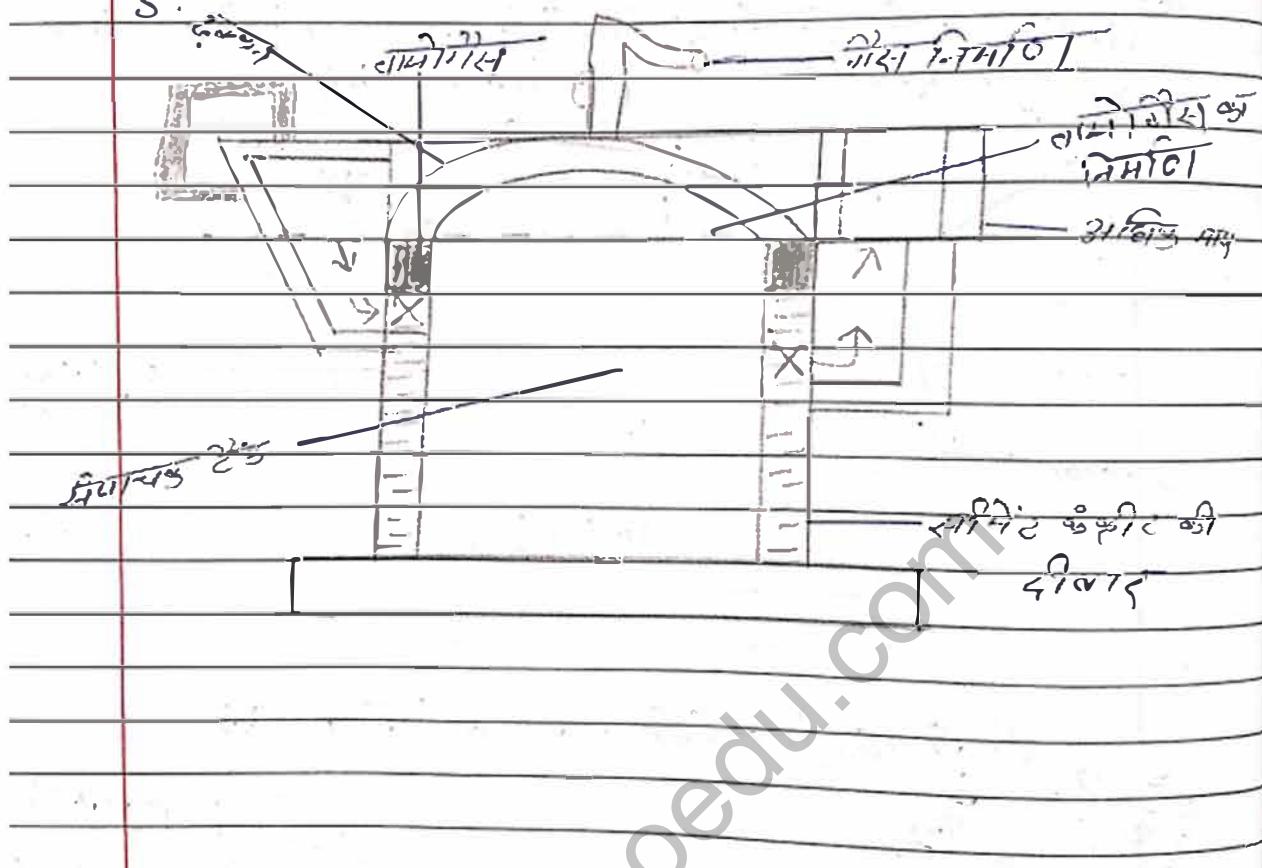
जल विद्युत ऊजी का पूर्ण प्रभाव मुख्य ऊजी शोर है।

जल विद्युत के लिए छोड़ जाने पर पारिस्थितकीय संसुन्दरता उत्पन्न होता है।





3. የሚገኘውን በቻ ስራ እንደሚከተሉ ይህንን የሚያስፈልግ የሚከተሉት ሰነድ ይችላል



1. अनवीकरणीय ऊंची सौत या ~~सूत~~ परम्परागत ऊंची
सौत के स्पैस सौत जिनका एक बार उपयोग करने

अब के स्पैस सौत जिनका एक बार उपयोग करने
के बाद समाप्त हो जाते हैं। अनवीकरणीय ऊंची
सौत कहलाते हैं। En. ताकुतिल गेस, कीपल आदि।

2. नवीकरणीय ऊंची सौत या और परम्परागत ऊंची
सौत की मुम्भाइया। ऊंची के स्पैस सौत जिनका बार-बार उपयोग
करने बाद भी समाप्त नहीं होते। नवीकरणीय
ऊंची सौत कहलाते हैं। En. सौर ऊंची, पवन ऊंची, जल ऊंची आदि।

3. एक आष्ट्री ईंधन की विशेषताएँ लिखिए।
अथवा —
एक आष्ट्री ईंधन के क्या गुण होने चाहिए।
एक आष्ट्री ईंधन में निम्न विशेषताएँ होनी चाहिए।

- (i) वह सस्ता होना चाहिए।
- (ii) वह सभी जगह उपलब्ध होना चाहिए।
- (iii) उसे होने वाले जैव में सुविधा होनी चाहिए।
- (iv) इसके मण्डरण में सुविधा होनी चाहिए।
- (v) वह लद्दूषण रहित होना चाहिए।
- (vi) उसके उपयोग के बाद अपरिष्ठ पदार्थ नहीं बचना चाहिए।
- (vii) इससे घटनशील पदार्थ बढ़िक होनी चाहिए।

4. L.P.G. के समय क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए

Ques. L.P. 6 के उपर्योग ऊर्जे समय निम्न संबंधानियों

में सिरोडर के स्मूलर

(i) खुना बनाने के बाद रेग्युलेटर के अच्छी तरह से बंद कर देना चाहिए।

(ii) यद्दृ और सिरोडर की अदूर-दूर रखना

(iii) अगर गैस निकले हो तो डीलर की सम्पर्क ऊना चाहिए।

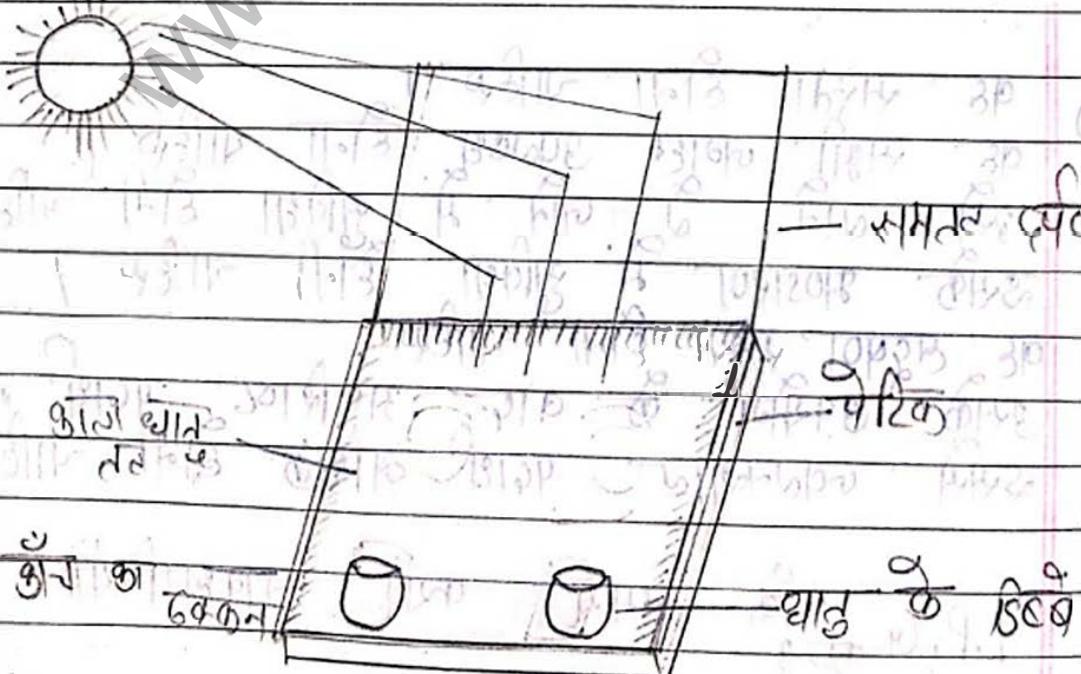
(iv) अगर गैस का रिसाव हो हो तो उम्रे के लिए दरवाजे रखें देना चाहिए।

(v) यदि गैस का रिसाव हो हो तो रेग्युलेटर के बक्से अच्छी तरह से बंद कर देना चाहिए।

(vi) गैस की रबड़ का बार-बार निरिष्टाता ऊना चाहिए।
(vii) यदि गैस का रिसाव हो हो तो बतने वाली पटकना चाहिए।

5: सौर का ऊर्जा नामित विश्व बनाए।

Ans.



जीवर कुकुर

8. नामजीय कुर्जी का क्या महूष है?

(i) यह अब कोशिकाली सौत है।
(ii) यह इससे किसी दूजा का दुम्हा या धनि-
कार को गेस भी निकलती।

(iii) नामजीय विद्युत सुंप्ति किसी भी स्थान पर स्थापित
किये जाने सकते हैं। मुक्त

(iv) यह बहुत अधिक मात्रा में कुर्जी लगती है।

9. नामजीय विवरण से सर्वानुभव से भिन्न

नामजीय विवरण	सर्वानुभव
1. इसमें रुप भारी नामिक दो हैं जो हल्के नामिकों में विवरित होता है।	इसमें दो हल्के नामिक आपले छुड़कर कोसु भारी नामिक बनाते हैं।
2. यह किया सामान्य तप पर द्वंप्त है।	यह किया सामान्य तप पर संभव नहीं है।
3. इसमें एम मात्रा में अबी द्वारा होती है।	इसमें बहुत अधिक मात्रा में अबी द्वारा होती है।
4. इसके आधार पर पुरमाणु बमु बनाया जाता है।	इसके आधार पर हाइड्रोजन बमु बनाया जाता है।
5. इसको नियन्त्रित किया जा सकता है।	इसको नियन्त्रित करना कठिन होता है।
6. यह रुप अखंकरा अभिकृता है।	यह अखंकरा अभिकृता नहीं है।

www.echoedu.com